# जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
## सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :डॉ. शेखर सिंह बघेल
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 43
दिनांक 15.02.2023

# कृषि शिक्षा प्राप्त विद्यार्थियों की योग्यता कृषि व कृषकों के हित में प्रदेश व देश को समृद्ध करेगी– कृषि मंत्री कमल पटेल

## जनेकृविवि का 16वाँ दीक्षांत समारोह गरिमामय माहौल में संपन्न

## 22 छात्र स्वर्ण पदक/नगद पुरुस्कार से अंलकृत 45 को पीएचडी 544 को मिली उपाधियां, पीली पगड़ी में दमके छात्र

**जबलपुर 15 फरवरी, 2023।** जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर का 16वां दीक्षांत समारोह का आज मध्यप्रदेश के महामहिम राज्यपाल एवं कुलाधिपति जी की अनुमति से कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में गरिमामय कार्यक्रम संपन्न हुआ। दीक्षांत समारोह को गरिमा प्रदान करने समारोह के मुख्यअतिथि श्री कमल पटेल, माननीय मंत्री, किसान कल्याण एवं कृषि विकास मध्यप्रदेश शासन, भोपाल, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के उपमहानिदेशक (कृषि शिक्षा) डॉ. आर.सी. अग्रवाल दीक्षांत भाषण दिया। अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. धीरेन्द्र खरे ने स्वागत भाषण एवं विश्वविद्यालय के प्रतिवेदन की प्रस्तुत किया। सारस्वत अतिथि श्रीमति सुमित्रा बाल्मीकी, माननीया सांसद, राज्यसभा उपस्थित रही। विशिष्ट अतिथियों के रूप में मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के महाधिवक्ता श्री प्रशांत सिंह, नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एस. पी. तिवारी, रानी दुर्गावती विश्वविद्याल के कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र, जनेकृविवि के प्रमंडल सदस्य सुश्री शोभा पैठणकर, श्री ओम ठाकुर, डॉ. नितिन गुप्ता और डॉ. डी.के. यादव के अलावा सभी संकाय के अधिष्ठाता डॉ. धीरेन्द्र खरे, डॉ. अतुल श्रीवास्तव, डॉ. एस.के. पांडे एवं कुलसचिव श्री रेवासिंह सिसोदिया मंचासीन रहे।

दीक्षांत समारोह में कुल 611 छात्र – छात्राओं को उपाधियाँ, नगद पुरुस्कार एवं स्वर्ण पदक आदि से सम्मानित किया गया। इनमें 22 को स्वर्ण पदक एवं नगद पुरुस्कार से अलंकृत किया गया हैं। 45 छात्रों को पी. एच.डी. व 544 स्नातकोत्तर उपाधि धारक छात्र–छात्राओं को उपाधियाँ प्रदान की गई हैं।

**स्वर्ण पदक/नगद पुरूस्कार–** कु. माधुरी तिवारी बी.एस.सी. (कृषि) जबलपुर को वि.वि. स्वर्ण पदक एक स्व. पं. श्रीकान्त मिश्रा नगद पुरूस्कार रू.3000/– एवं जनेकृविवि पेन्शन परिषद टेलेन्ट नगद पुरुस्कार प्रथम स्थान रू. 15000/– इनके साथ ही कु. शिखा जैन बी.एस.सी.(कृषि) जबलपुर को जनेकृविवि पेन्शन परिषद टेलेन्ट नगद पुरुस्कार द्वितीय स्थान रू. हेतु 10000/–, कु. नेहा चक्रवर्ती बी.एस.सी. (कृषि) जबलपुर को स्व. डॉ. आर. एल. गुप्ता स्वर्ण पदक और कु. दीक्षा गुप्ता बी.एस.सी. (वानिकी) जबलपुर को वि.वि. स्वर्ण पदक एवं कु. शिफा शाहीन बी.टेक(कृषि अभियांत्रिकी) जबलपुर को वि.वि. स्वर्ण पदक प्रदान किया जायेगा। इसके अलावा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम शैक्षणिक वर्ष 2018–2019, पी.एच.डी. उपाधि प्राप्त करने वाले छात्रों सहित अन्य को भी मैडल व उपाधिया प्रदान की गई।

दीक्षांत समारोह में किसान कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री मध्यप्रदेश शासन श्री कमल पटेल ने अपनी मुख्यअतिथि की आसंदी से कहा कि आज देश के प्रतिष्ठित जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के 16वें दीक्षांत समारोह में उपस्थित होकर मुझे आनन्द की अनुभूति हो रही है। देश में प्रख्यात एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली द्वारा ''सरदार पटेल सर्वश्रेष्ठ संस्थान पुरस्कार–2018'' से अलंकृत जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय का इतिहास स्वर्णिम रहा है, जिससे हम सभी परिचित हैं। वर्ष 1964 में स्थापित यह विश्वविद्यालय पूर्व में मध्यप्रदेश का एक मात्र कृषि विश्वविद्यालय रहा है। जिसने प्रदेश कृषि को उत्तरोत्तर प्रगति के नए आयाम प्रदान किये। साथ ही छत्तीसगढ़ बनने पर इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्याालय, ग्वालियर एवं नानाजी देशमुख पशुचिकित्सा एवं पशुपालन विश्वविद्यालय, जबलपुर को जन्म देने वाला यह विश्वविद्यालय कृषि क्षेत्र की आवश्यकताओं को पूर्ण करने वाला रहा है। ऐसे विशिष्ट संस्थान के दीक्षांत समारोह में उपस्थित सभी छात्र, छात्राएं, प्राध्यापक, वैज्ञानिक एवं अधिकारी–कर्मचारी बधाई के पात्र हैं। साथ ही इस विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति, जिनके दिशा–निर्देशन में यह विश्वविद्यालय प्रगति पथ पर अग्रसर है, उन्हें भी मैं शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं।

कृषि शिक्षा के क्षेत्र में स्थापना से लेकर अब तक इस विश्वविद्यालय ने उत्कृष्ट मानव–संसाधन का विकास किया है जिसमें कृषि एवं अन्य क्षेत्रों में सेवाएं प्रदान कर रहे ख्याति लब्ध वैज्ञानिक, अधिकारी, प्राध्यापक

आदि शामिल हैं जो प्रदेश के लिये एक गौरव का विषय है। आज कृषि, कृषि अभियांत्रिकी एवं कृषिवानिकी में जो छात्र, छात्राएं अपने अथक परिश्रम के फलस्वरूप स्नातक, स्नातकोत्तर एवं विषारद की उपाधि प्राप्त कर रहे हैं उन्हें में हृदय से बधाई देता हूँ इनकी योग्यता कृषि व कृषकों के हित में प्रदेश व देश को समृद्ध करेगी। मुझे पूर्ण विश्वास है कि प्रदेश एवं संपूर्ण देश में भविष्य में आने वाली कृषि–चुनौतियों का समाधान करने में ये छात्र सक्षम होंगे। विश्व विद्यालय में नवीन शिक्षानीति को अंगीकृत करते हुये समयानुकूल नये विषयों का समावेश किया गया है । जैविक खेती, प्राकृतिक खेती, आर्टिफिसियल इंजेलीजेन्स, सुदूरसंवेदी तकनीक, जियोग्राफिकल इनफरमेशन सिस्टम, मोबाइल एप्स का विकास जैसी शिक्षा को भी शामिल कर लिया गया है। आशा है भविष्य में छात्रगण इन सब तकनीकों को आत्मसात कर कृषि के उन्नत आयाम स्थापित करेंगे।

जनेकृविवि के के गरिमामय 16वें दीक्षान्त समारोह में अध्यक्षीय उद्‌बोधन में माननीय कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा ने दीक्षांत समारोह में उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थी अपनी दिशा तय करने के साथ–साथ देश के कृषि विकास में अपना योगदान देने के लिये तैयार हैं। हमारे किसानों की खुशहाली ही आपकी शिक्षा का सार्थकता का मापदण्ड है। मेरा पूरा विश्वास है कि, हमारे देश को कृषि के क्षेत्र में शिखर पर पहुंचाने के लिये आप जैसे प्रशिक्षित विद्यार्थी आगे आयेंगे और इस संस्थान में अर्जित अपने ज्ञान और कौशल को किसान हित में समर्पित करेंगे। शिक्षा एवं दीक्षा हमारी संस्कृति की गौरवशाली परम्परा रही है। दीक्षान्त समारोह वस्तुतर्थयों में उत्तरदायित्वों के प्रति संपूर्ण योग्यता होने की घोषणा करता है। इसलिये यह समागम शिक्षकों और आचार्य के नाम–नाम उनके शिष्यों के लिये जीवन के श्रेष्ठतम क्षणों में से एक है। कुलपति डॉ. मिश्रा ने उपाधि प्राप्त छात्र–छात्राओं को दीक्षापदेश दिया, एवं उपस्थिति छात्र–छात्राओं ने खड़े होकर एतदर्थ प्रतिज्ञा ली।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के उपमहानिदेशक (कृषि शिक्षा) डॉ. आर.सी. अग्रवाल ने दीक्षांत भाषण दिया और कहा कि आज हमारे देश में कृषि क्षेत्र में अनेक चुनौतियां हैं जिनसे निपटने हेतु विचारपूर्वक आगे बढ़ने की आवश्यकता है। देश की वर्तमान जनसंख्या 140 करोड़ से अधिक होने का अनुमान है। उत्तरोत्तर बढ़ती हुई जनसंख्या को पोषक भोजन सतत् मिलता रहे, इसका विचार करते हुये कृषि, बागवानी एवं साग–भाजी वाली फसलों का गुणात्मक विकास आज की महती आवश्यकता है। उन्नत बीजों की उपलब्धता सुनिश्चित करना, जलवायु परिवर्तन को सहन करने वाली नई किस्मों का विकास जो विपरीत परिस्थितियों में भी विपुल उत्पादन दे सकें। कृषि शिक्षा का स्तर लगातार ऊचाईयां छूं रहा है। कृषि के विद्यार्थियों की सोच लगातार बेहतर से और बेहतर हो रही है। छात्र–छात्राओं में कृषि शिक्षा के क्षेत्र में और बढ़ा है। आत्मनिर्भर कृषि गांव, भारत में बनाने में कृषि उपाधि प्राप्त छात्र अग्रणी भूमिका निभाएंगे। इसमें कृषि के एल्युमिनाई का सहयोग अतिमहत्वपूर्ण होगा।

दीक्षांत समारोह के प्रारंभ में समूह छायाचित्र के उपरांत, मुख्यअतिथि, विशिष्ट अतिथि,जनेकृविवि के प्रबंध मंडल, विद्या परिषद एवं प्रशासनिक परिषद के सदस्यगण, समस्त महाविद्यालय के अधिष्ठाता तथा विभागाध्यक्ष निर्धारित वस्त्र धारण कर दीक्षांत शोभायात्रा में शामिल हुये। कार्यक्रम में सरस्वती पूजन एवं वंदना के साथ ही विश्वविद्यालय के कुलगीत की प्रस्तुति दी गई एवं सशस्त्र बल छठवी बटालियन के बैण्ड दल द्वारा प्रस्तुत राष्ट्रगान के साथ शुरू हुये दीक्षांत समारोह का समापन भी राष्ट्रगान और शोभायात्रा के प्रस्थान के साथ हुआ। इस दौरान दीक्षांत समारोह में प्राध्यापक, वैज्ञानिक, छात्र, भूतपूर्व छात्र, अभिभावक एवं उत्साही छात्रों से सभागार ठसाठस भरा रहा। कार्यक्रम का सफल संचालन विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री रेवासिंह सिसोदिया जी द्वारा किया गया इसके साथ ही अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. अमित शर्मा द्वारा कार्यक्रम की बारी–बारी से संचालित करने में सहयोग प्रदान किया।

उपाधियां और पदक पाकर छात्र–छात्राओं के चेहरे तेजस्विता से दमक उठे। छात्रों में सेल्फी लेकर पोस्ट करने की होड़ लगी रही। परस्पर बधाईयों का दौर देर शाम तक चलता रहा। इस बीच अनेक छात्रो के अभिभावक भी इस गौरवशाली दीक्षान्त समारोह का अभिन्न हिस्सा बने। जनेकृविवि की वेबसाईट एवं यूट्यूब के अलावा एवं फेसबुक के वीसी जेएनकेवीवी के फेसबुक पेज पर लाइव टेलीकॉस्ट किया गया। जिसे मोबाइल पर सीधे देखा गया। समारोह भवन को आकर्षक रोशनी से सुसज्जित किया गया।